**श्री राजनीति प्रसाद** (बिहार)ः सर, मैं इस विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूं।

**श्री आर.सी. सिंह** (पश्चिमी बंगाल)ः सर, मैं इस विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूं।

**Need to institute an inquiry and punish the culprits involved in setting up fake security agencies for providing security to the coal mines in the country**

**श्री आर.सी. सिंह** (पश्चिमी बंगाल)ः सर, बड़े दुख की बात है कि कोल माइन्स की सुरक्षा करने वाले लोग अप्रशिक्षित, अव्यावसायिक और अनधिकृत हैं। इसी का परिणाम है - गैरकानूनी माइनिंग और स्टॉकयार्ड से कोयले की चोरी। कोल कंपनियां प्राइवेट सिक्योरिटी सर्विसेज को इस काम में लगाती है। ये कंपनियां प्राइवेट सिक्योरिटी सर्विसेज को इस काम में लगाती हैं। ये कंपनियां डी.जी.आर. से एक्स-सर्विसमेन को स्पांसर करने के लिए आग्रह करती हैं। इस की आड़ में कोल कंपनियां इन के साथ समझौता करती हैं। कुछ एजेंसीज जाली स्पांसरशिप लेटर्स के साथ इनके साथ समझौता कर रही हैं। ऐसी ही एक घटना अभी प्रकाश में आई है। टोपाज सिक्योरिटी एजेंसी, इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन एंड सिक्योरिटी सर्विस, असेम्बली ऑफ एलिट guards, सारा सिक्योरिटीज, आग्नेय सिक्योरिटी सर्विस, सुरक्षा कवच सिक्योरिटी & एलाइड सर्विसेज लोकनाथ सिक्योरिटी जैसी एजेंसियों ने ई.सी.एल. में 1970 सिक्योरिटी guards नियुक्त करने के लिए अनुबंध किया, लेकिन ई.सी.एल. के चीफ ऑफ सिक्योरिटी की एक इंक्वायरी के जवाब में डी.जी.आर. ने यह स्पष्ट किया कि ये लेटर्स जाली हैं।

यह भी सूचना है कि ये एजेंसीज 12 प्रतिशत मेंटेनेंस चार्ज ले रही हैं जिस की अनुमति नहीं है। एक तथ्य यह भी है कि ये एजेंसीज सिक्योरिटी guards को कोल वेज एग्रीमेंट के अनुसार वेतन नहीं दे रही हैं। उन्हें केवल 2500 से 3500 रुपए महीने का वेतन दिया जाता है। उन्हें कोई सामाजिक सुरक्षा कवच हासिल नहीं है। उन्हें नियुक्ति पत्र, पहचान पत्र और पोस्ट-रिटायरमेंट लाभ नहीं दिया जाता है।

अतः मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि इन सारे मुद्दों की गहराई से जांच की जाए और ऐसे गलत काम करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए।

**श्री सैयद अजीज पाशा** (आंध प्रदेश)ः सर, मैं श्री आर.सी. सिंह के विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

**Need to make Impartial inquiry into the suicide case of the first woman pilot of Indian Air Force.**

**डा. प्रभा ठाकुर** (राजस्थान)ः महोदय, इंडियन एयर फोर्स की पहली महिला पायलट सुश्री अंजलि गुप्ता के विषय में यह विशेष उल्लेख प्रस्तुत है। पिछले दिनों समाचार पत्रों में सुश्री अंजलि गुप्ता का कोर्ट मार्शल किए जाने के कुछ समय बाद उसकी आत्महत्या का दुःखद समाचार पढ़ने को मिला। एक महिला ने कई वर्षों बाद हौसला कर के वायु सेना में पायलट की सेवाएं देने का साहस दिखाया तथा कुछ उच्च पदों पर आसीन वायु सेना के

सेनाधिकारियों द्वारा यौन उत्पीड़न संबंधी शिकायत करने पर वायु सेना के कोर्ट ने उसकी शिकायतों को गलत ठहराते हुए, आरोपियों को निर्दोष करार दिया तथा अंजलि गुप्ता को कोर्ट मार्शल की सजा सुनायी जिससे दुःखी होकर अंजलि गुप्ता ने आत्महत्या कर ली।

महोदय, मेरा आग्रह है कि इस विषय में सरकार विशेष रूचि लेते हुए इस मामले की प्रभावी एवं निष्पक्ष जांच कराने की कार्यवाही करने का कष्ट करे ताकि सही तथ्य सामने आ सकें कि आखिर किस कारण से एक बहादुर महिला को अपमानित होकर आत्महत्या करनी पड़ी? महोदय, यह पुरूष प्रधान समाज है तथा अंजलि गुप्ता के विषय में कई प्रकार की कहानियां भी बनायी या बनवायी जा रही हैं। यदि मरने के बाद भी उसे न्याय नहीं मिला तो भविष्य में कौन महिलाएं फौज में जाने का साहस करेंगी? कृपया इस विषय में शीघ्र कार्यवाही करें तथा देश को सही जानकारी दें।

**श्रीमती माया सिंह** (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

**श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी** (गुजरात): महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

**श्री विजय तरुण** (उत्तराखंड): महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

**श्री जय प्रकाश नारायण सिंह** (झारखंड): महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

**श्री भरतसिंह प्रभातसिंह परमार** (गुजरात): महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

**Need to erect a memorial in Delhi to celebrate the victory of Indian Armed Forces during the war of 1971**

SHRI TARUN VIJAY (Uttarakhand): 16th December is a day of great glory and victory for the Indian Armed Forces when nine-month long Bangladesh liberation war was won in 1971 and General A.A.K. Niazi, the Commanding Officer of the Pakistan Armed Forces surrendered his Forces to Lt. General Jagjit Singh Aurora, the Allied Forces Commander with 90,000 troops. This victory led to the formation of Peoples' Republic of Bangladesh. This was also India's finest hour under the Prime Ministership of Mrs. Indira Gandhi and the wonderful military leadership, provided by Field Marshal S.H.F.J. Manekshaw, Lt. General Jacob, Lt. General Jagjit Singh Aurora, Vice-Admiral Krishnan and scores of other patriotic officers and jawans. The whole nation stood as one people, solidly supporting the political and military leadership and the Parliament had reverberated with great emotions of solidarity so eloquently represented by Shri Atal Bihari Vajpayee. Ironically, the Nation has failed to erect a single memorial to the victorious Indian Forces in the nation Capital. The